

**भारत सरकार**  
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**  
**पशुपालन और डेयरी विभाग**  
**लोकसभा**  
**अतारांकित प्रश्न संख्या- 4363**  
**दिनांक 19 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न**

### **बकरी पालन**

#### **4363. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:**

**क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार यह मानती है कि ओडिशा का कंधमाल जिला, जो मुख्य रूप से जनजातीय बहुल और पिछड़ा क्षेत्र है, आजीविका के लिए मुख्यतया बकरी पालन पर निर्भर है और इसमें आनुवंशिक उन्नयन और उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता है;

(ख) क्या सरकार को राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कंधमाल जिले में एक क्षेत्रीय बकरी शुक्राणु स्टेशन स्थापित करने हेतु ओडिशा की राज्य सरकार से 954.19 लाख रुपये का एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ग) यदि हाँ, तो केंद्र सरकार द्वारा गंजम, ब्लैक बेंगाल, बीटल और सिरोही जैसी उल्कृष्ट नस्लों के प्रीज किए गए शुक्राणु का उपयोग कर कृत्रिम गर्भाधान (एआई) को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या सरकार की कंधमाल जिले में सतत बकरी-आधारित आजीविका विकास को बढ़ावा देने के लिए इस पहल को एएचआईडीएफ और आरकेवीवाई जैसी योजनाओं के साथ एकीकृत करने के लिए कोई योजनाएँ हैं?

**उत्तर**  
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री**  
**(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)**

(क) ओडिशा सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओडिशा में कंधमाल जिला मुख्य रूप से एक जनजातीय और पिछड़ा जिला है और यह आजीविका के लिए बकरी पालन पर निर्भर रहता है जिसमें आनुवंशिक उन्नयन और उत्पादकता वृद्धि की आवश्यकता है।

(ख) कंधमाल जिले से ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है, हालांकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत संभलपुर के चिपलिमा में क्षेत्रीय बकरी सीमन केंद्र स्थापित करने के लिए राज्य सरकार से 954.19 लाख रुपये का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जिस पर एनएलएम के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार नहीं होने के कारण विचार नहीं किया जा सका। दिशानिर्देशों के अनुसार, एक क्षेत्र (region) के लिए केवल एक क्षेत्रीय बकरी सीमन केंद्र की अनुमति है और पूर्वी क्षेत्र के लिए एक केंद्र पहले ही पश्चिम बंगाल में संस्थीकृत किया जा चुका है। इस सुविधा का लाभ ओडिशा राज्य भी उठा सकता है।

(ग) ओडिशा राज्य अपने स्वयं के निधियन से गंजम और ब्लैक बंगाल जैसी उल्कृष्ट नस्लों के हिमित सीमन का उपयोग करके कृत्रिम गर्भाधान (AI) कार्यान्वित कर रहा है। राज्य के 300 बकरी एआई केंद्रों में से 11 बकरी एआई केंद्र कंधमाल जिले में कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार 'भेड़' और बकरी की नस्लों के आनुवंशिक सुधार संबंधी उप-मिशन को कार्यान्वित कर रही है, जिसमें मौजूदा गोपशु और भैंस कृत्रिम गर्भाधान केंद्र के माध्यम से भेड़, बकरी में कृत्रिम गर्भाधान का प्रसार नामक एक घटक है।

(घ) आरकेवीवाई योजना (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित) के साथ समन्वय पर विचार नहीं किया जा रहा है। पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF) के संबंध में, पशुपालन और डेयरी विभाग कंधमाल जिले सहित पूरे देश में बकरी पालन सहित सतत पशुधन आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के समन्वयन की सुविधा प्रदान करता है। अब तक की स्थिति के अनुसार कंधमाल जिले के लिए कोई प्रस्ताव संस्थीकृत नहीं हुआ है।

\*\*\*\*\*